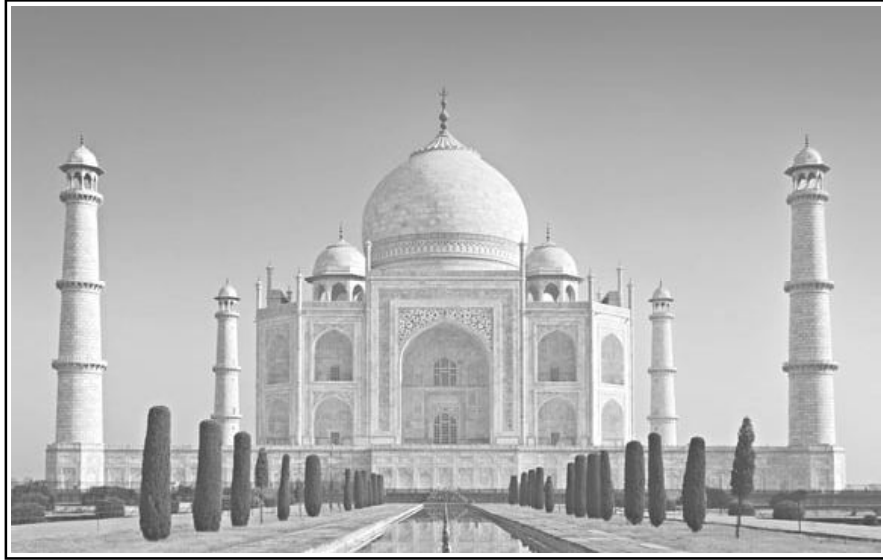




पाठ – पन्द्रह

ताजमहल

भूगोल, शोर, मौन, फव्वारा, जलाशय, प्रतिबिम्ब, सम्राट, बेगम, स्मृति, संगमरमर, इमारत, निशानी, चाँदनी, झिलमिलाना, पौ, नरम, गुलाबी, सूर्यास्त, आभा, आग्नेय, सौन्दर्य, दर्शक, स्थाई, मुहब्बत, आलीशान, इरादा, परिणाम, कारीगर, कब्र, तहखाना, स्मारक ।



विद्यार्थी — गुरु जी ! ताजमहल कहाँ पर है ?

शिक्षक — विद्यार्थियो ! तुम लोगों ने भूगोल पढ़ा है। बताओ, आगरा किस राज्य में है ?

विद्यार्थी — गुरु जी ! आगरा उत्तर-प्रदेश का एक जिला है।

शिक्षक — बहुत अच्छा, बिलकुल ठीक। ताजमहल इसी जिले में है।

- विद्यार्थी — गुरुजी ! ताजमहल के बारे में और कुछ बताइए।
- शिक्षक — तुम लोग शोर मत मचाओ, ध्यान से सुनो। आगरा को ताजमहल का शहर कहकर पुकारा जाता है। ताजमहल यमुना नदी के किनारे मौन खड़ा है। उसके सामने फव्वारों वाला लम्बा जलाशय है। इस जलाशय में ताजमहल का प्रतिबिम्ब पड़ता है।
- विद्यार्थी — गुरुजी ! यह किसने बनवाया था और क्यों ?
- शिक्षक — मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की स्मृति में संगमरमर की यह इमारत बनवाई थी। यह विश्वभर में प्रेम की एकमात्र निशानी है। आज तक किसी ने इस तरह की इमारत नहीं बनवाई। अब आगे और सुनो। संगमरमर की यह इमारत चाँदनी रात में झिल-मिलाती है। पौ फटने के समय इसका रंग नरम गुलाबी होता है और सूर्यास्त के समय इसकी आभा आग्नेय हो जाती है। इसके सौन्दर्य को देखकर दर्शक दाँतों तले अँगुली दबाये बिना नहीं रह पाते।
- विद्यार्थी — गुरुजी, मुमताज की मृत्यु कैसे हुई थी ?
- शिक्षक — बेगम मुमताज महल चौदहवें बच्चे को जन्म देते समय मृत्यु के मुँह में चली गई थी।
- विद्यार्थी — तब शाहजहाँ ने क्या किया ?
- शिक्षक — शाहजहाँ ने बेगम मुमताज महल की याद को स्थाई बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने अपनी मुहब्बत को हमेशा जीवित रखने के लिए एक आलीशान इमारत बनाने का निश्चय किया। ताजमहल शाहजहाँ के उसी इरादे का परिणाम है।
- विद्यार्थी — गुरुजी, ताजमहल कितने लोगों ने, कितने दिनों में बनाया ?
- शिक्षक — इसे बीस हजार कारीगरों और मजदूरों ने बाईस साल में तैयार किया।
- विद्यार्थी — गुरुजी, क्या ताजमहल में मुमताज की कब्र है ?
- शिक्षक — ताजमहल के नीचे तहखाने में मुमताज महल और शाहजहाँ की कब्रें बराबर-बराबर हैं। वहाँ हमेशा मन्द प्रकाश रहता है।
- विद्यार्थी — गुरुजी, ताजमहल की कहानी तो आश्चर्यजनक है।
- शिक्षक — हाँ, ताजमहल प्रेम का आश्चर्यजनक स्मारक है। इसे संसार के आश्चर्यों में गिना जाता है।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—

बिलकुल	=	पूरा-पूरा, सब ।
फव्वारा	=	पतली-पतली जल धाराएँ तेजी से ऊपर फेंकने वाला यन्त्र ।
जलाशय	=	जहाँ पानी जमा हो, तालाब ।
प्रतिबिम्ब	=	छाया, परछाई ।
स्मृति	=	स्मरण, याद ।
संगमरमर	=	एक प्रकार का कड़ा सफेद बहुमूल्य पत्थर ।
इमारत	=	विशाल भवन ।
झिलमिला	=	रह-रहकर हिलते हुए-प्रकाशित होने वाला, चमकना ।
पौ फटना	=	प्रातःकाल होना ।
आभा	=	चमक, कान्ति, दीप्ति, शोभा ।
आलीशान	=	उत्तम, बड़ा, भव्य, विशाल ।
कब्र	=	शव गाड़ने वाला गड्ढा, समाधि ।
स्मारक	=	याद दिलाने वाला ।
तहखाना	=	किसी भवन के नीचे ज़मीन में बनी कोठरी ।

2. उत्तर दो :—

- (क) ताजमहल कहाँ है ?
- (ख) किस शहर को ताजमहल का शहर कहा जाता है ?
- (ग) ताजमहल किसने बनवाया था ?
- (घ) ताजमहल क्यों बनवाया गया था ?
- (ङ) चाँदनी रात में ताजमहल कैसा दिखता है ?
- (च) पौ फटने के समय इसका रंग कैसा हो जाता है ?
- (छ) मुमताज बेगम की मृत्यु कैसे हुई ।
- (ज) ताजमहल को बनाने में कितने दिन लगे ?
- (झ) ताजमहल के तहखाने में किस किसकी कब्रें हैं ?
- (ञ) ताजमहल कौन-सी नदी के किनारे स्थित है ?

- (ट) इस पाठ के आधार पर ममताज बेगम के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।
 (ठ) भारत की किन्हीं तीन प्रसिद्ध ऐतिहासिक इमारतों के नाम लिखो ।

3. वाक्य बनाओ :—

बिलकुल -----
 जलाशय -----
 स्मृति -----
 इमारत -----
 झिलमिल -----
 आभा -----
 आलीशान -----
 तहखाना -----

4. खाली जगह पूरी करो :—

- (क) आगरा को का शहर कहकर पुकारा जाता है।
 (ख) ताजमहल के किनारे खड़ा है।
 (ग) इस जलाशय में पड़ता है।
 (घ) आज तक इस नहीं बनवाई।
 (ङ) उन्होंने अपनी हमेशा जीवित रखने
 के लिए बनवाई।

5. वाक्यों को पढ़ो और सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओ :—

(क) मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में ताजमहल बनवाया था।

(ख) आज तक किसी ने इस तरह की इमारत नहीं बनवाई।

(ग) यह विश्वभर में प्रेम की एकमात्र निशानी नहीं है।

(घ) सूर्यास्त के समय इसकी आभा गुलाबी हो जाती है।

(ङ) इस इमारत को बनाने में केवल बारह साल लगे।

6. पढ़ो, समझो और याद करो :—

यह + ने = इसने

यह + को = इसको, इसे

यह + से = इससे

यह + के लिए = इसके लिए

यह + का/के/की = इसका/इसके/इसकी

यह + में = इसमें

यह + पर = इसपर

7. याद रखो :—

(क) दाँतों तले अँगुली दबाना = आश्चर्यचकित होना।

ताजमहल देखकर तोम्बा ने दाँतों तले अँगुली दबा ली।

(ख) कसर न छोड़ना = पूरा प्रयत्न करना, कोई कमी न छोड़ना।

प्रतियोगिता में बाजी मारने में याइमा कोई कसर नहीं छोड़ता।